



# पाँच लौड़ों से चुद गई जंगल में

“मेरे पति मुझे चोद कर खुश रखते हैं. एक बार उनकी ड्यूटी पास वाले शहर में लग गयी तो मेरी चुदाई बंद हो गयी. मैंने सोचा कि शहर जाकर एक रात पति से चुदवा आती हूँ. लेकिन ... ..”

**Story By: (sonvanepatik)**

**Posted: Tuesday, December 11th, 2018**

**Categories: [गुप सेक्स स्टोरी](#)**

**Online version: [पाँच लौड़ों से चुद गई जंगल में](#)**

# पाँच लौड़ों से चुद गई जंगल में

दोस्तो, मेरा नाम रानी है और मैं एक शादीशुदा महिला हूँ. मेरी उम्र 27 साल की है. मेरी शादी को 3 बरस हो चुके हैं. मेरे पति एक पुलिस ऑफिसर हैं और वह बहुत ही हट्टे-कट्टे मर्द हैं. साथ ही मेरे पति बहुत ही हैंडसम भी हैं और उनका लंड का साईज भी आम औसत लंड से बड़ा, पूरे सात इंच का है. उस लम्बे मोटे लंड से मेरी चुत की खुजली शांत होती है, पर मेरा मन और तन शादी के बाद बहुत ही कामुक हो चुका है. मेरे पति और मैं हफ्ते में 5-6 बार सेक्स करते हैं. वो मुझे बिस्तर में हर तरह से खुश रखते हैं.

मेरे घर में सास, ससुर, मेरे पति और मैं रहती हूँ. मैं जहां रहती हूँ, वहां से 7-8 किलोमीटर दूर एक जंगल है. अगर हमें पड़ोस के शहर जाना हो तो उसी जंगल के हाईवे वाले रोड से जाना पड़ता है.

एक बार मेरे पति ड्यूटी खत्म करके घर आये और उन्होंने कहा- मेरी ड्यूटी 3 महीनों के लिए पड़ोस के शहर में लग गई है. मेरा उधर जाना जरूरी हो गया है.

यह सुन कर मैं नाराज हो गई.

मेरे पति ने मेरी ओर देखकर कहा- मेरी जान 3 महीने की ही तो बात है. तुम सिर्फ 3 महीने तक सब्र रखो क्योंकि सब्र का फल मीठा होता है.

यह सुन कर मैंने सोचा कि कोई बात नहीं, किसी तरह 3 महीने तक मैं कन्ट्रोल कर ही लूँगी.

उस रात हम दोनों ने बहुत बार चुदाई की. इसी चुदाई के चक्कर में सुबह हो गई और मेरे पति अपनी ड्यूटी पर चले गए. अब घर में सिर्फ मैं और मेरे सास, ससुर ही रह गए थे.

मेरी चुत की आग दिन पर दिन बढ़ने लगी. जब रात को मेरे सास, ससुर सो जाते थे, तब मैं

रसोई में जाकर कोई भी लंड के आकार की चीज, जैसे केला या ककड़ी को अपनी चुत में डाल लेती थी, उसी से मेरी चुत की आग थोड़ी देर के लिए शांत हो जाती थी, पर मेरी चुत को तो बड़े लंड की आदत पड़ी थी. थोड़े ही टाइम के बाद मेरी चुत की आग फिर से भड़क उठती थी, फिर भी मैं किसी तरह कन्ट्रोल कर लेती थी.

एक महीने तक ऐसा ही चला. एक महीने के बाद मेरे सास, ससुर को कुछ रिश्तेदारों के साथ तीर्थ यात्रा पर जाना था. उन्होंने मुझे भी साथ चलने को कहा, पर घर में कोई ना होने के कारण मैं जा ना सकी. मेरे सास, ससुर सुबह होते ही यात्रा पर निकल गए. अब मैं घर में अकेली बची थी. इधर मेरी चुत की आग दिनों दिन भड़कती जा रही थी.

तभी मुझे एक आईडिया आया कि मैं पड़ोस के शहर जाकर अपने पति से अपनी चुत की आग को शांत करवा आऊं. मैंने बहुत सोचा और तय किया कि यह ही सही रहेगा.

उस दिन मैंने घर का सारा काम खत्म किया और शाम के करीब 7 बजे जाने की तैयारी कर ली. मैंने अपने कपड़े पहन लिए थे, पर अन्दर मैंने ब्रा नहीं पहनी थी. फिर पति के लिए थोड़ा खाने का सामान लेकर अपनी कार में बैठ गई. कार चलाते हुए मैं यही सोच रही थी कि कब मैं अपने पति से मिलूं और कब मैं उनके लंड को अपनी चुत में लेकर चुदाई करवा लूँ.

करीब 10-12 किलोमीटर दूर जंगल का हाईवे लग गया. थोड़ी देर चलने के बाद मेरी कार में से कुछ आवाज आने लगी और मेरी कार का टायर भी पंचर हो गया. मैंने अपनी कार हाईवे के साईड पर लगा दी. अब मैं सुनसान सड़क पर अकेली थी और मुझे बहुत ज्यादा डर लगने लगा. मेरा मोबाइल भी डिस्चार्ज पड़ा था, जिससे मैं अपने पति से बात भी नहीं कर पा रही थी. मैं थोड़ी देर कार में ही बैठी रही और इन्तजार करने लगी कि कोई ट्रक या बस दिखे, तो उसमें बैठ कर चली जाऊं.. पर वहां काफी देर तक पर कोई भी वाहन नहीं आया.

अब तक करीब दो घंटे हो गए थे. मौसम में ठंड भी बढ़ने लगी थी. तभी मैंने जंगल की तरफ ध्यान से देखा कि वहां कुछ दूरी पर कोई आग जल रही थी. मैंने सोचा कि वहां पर कोई होगा, तो मेरी मदद करेगा. पर मुझे डर भी लग रहा था.

थोड़ी देर बाद मैंने हिम्मत जुटाई और वहां जाने का फैसला कर लिया. मैं पहले वहां जाकर एक पेड़ के पीछे छिप गई.. फिर मैंने वहां देखा कि वहां पर 5 लोग थे और आग जलाकर कुछ खाना आदि खा रहे थे.

उसी साईट पर लकड़ियों का ढेर लगा था उसके पीछे शायद उन लोगों का ट्रक था. साथ ही वहां पर एक झोपड़ी भी थी.

मैंने उन लोगों को ध्यान से देखा, वे सभी काफी हट्टे कट्टे और काले रंग के थे. उन्होंने लुंगी पहनी हुई थी. लुंगी से उनके लंड के उभार साफ दिख रहे थे. उनके मोटे लंड देख कर मेरी चुत की आग भड़क उठी और मैंने सोचा कि इन्हीं लोगों से चुदाई करवा लेती हूँ.

फिर मैं उन लोगों के पास चली गई. वे सभी 5 मुझे देखने लगे. उनमें से एक बंदे ने कहा- मेमसाब आप कौन है और इस जंगल में क्या कर रही हैं ?

मैंने कहा- मैं इस जंगल के हाईवे रोड से जा रही थी, तो मेरी कार खराब हो गई और मुझे आज पड़ोस के शहर में जाना है. आप लोग मेरी कुछ मदद करो तो मेरे लिए अच्छा होगा. उनमें से एक बंदे कहा कि इतनी रात में तो कोई मिस्त्री भी नहीं मिलेगा और इस समय तो कोई बस या गाड़ी भी नहीं मिलेगी. आप ऐसा कीजिये कि आज रात तक यहीं पर ठहर जाइए, सुबह होते ही आप बस में बैठ कर चली जाना.

मेरे पास उनकी बात मानने के अलावा कोई चारा भी नहीं था. मैंने हां कह दिया.

एक बंदे ने मुझे लकड़ी के बड़े से लट्ठे पर बैठने के लिए कहा. मैं उसपर बैठ गई और सबसे

बातचीत करने लगी. बातचीत करते हुए मुझे मालूम चला कि वे लोग जंगल से लकड़ियां काटकर शहर में बेचते थे, उसी से उनका गुजारा चलता था. उन्होंने मेरे बारे में पूछा तो मैंने कहा कि मेरे पति पुलिस ऑफिसर हैं. मैं उन्हीं से मिलने पड़ोस के शहर में जा रही थी.

ऐसे ही मैंने उन लोगों से काफी देर तक बात की. उनमें से दो बंदे उठ कर अपनी झोपड़ी में चले गए. उधर सिर्फ तीन बंदे रह गए थे और मैं थी. तभी मेरी नजर एक बंदे पर पड़ी, वह मेरे तने हुए मम्मों को बड़ी लालसा से देख रहा था.

उसको देख कर मेरा ध्यान उसके लंड की तरफ गया. उसका लंड काफी बड़ा था जोकि मुझे उसकी लुंगी के उभार से ही साफ़ दिख रहा था. उसके लंड को देखकर थोड़ी ही देर में मेरी चुत में आग लग गई. ऐसा दस मिनट तक चला. मैं अपने मम्मों को अपने हाथ से सहलाते हुए खुजाने का नाटक करने लगी और साथ ही उसके हिलते हुए लंड को देखने लगी.

थोड़ी देर में वह मेरे बाजू में आकर बैठ गया और मेरी तरफ घूरने लगा. मैं उसे देख कर थोड़ी हंस पड़ी. तभी उसने अपना हाथ मेरी जांघ पर रख दिया, मैंने कुछ नहीं कहा. वो धीरे-धीरे मेरी जांघों को सहलाने लगा. थोड़ी देर में मैं भी गर्म हो गई और मैंने अपने पैर थोड़े खोल दिए. उसने मेरी चुत को हाथ लगया और ऊपर से ही चूत सहलाने लगा. थोड़ी देर बाद उसने मेरी पैट के अन्दर हाथ डाल दिया और चुत में उंगली करने लगा.

वहां देख कर बाकी के वहां बैठे दो बंदे भी मेरे पास आकर बैठ गए और मेरे मम्मों को दबाने लगे. अब मैं बहुत ज्यादा गर्म होने लगी. तभी एक बंदे मेरे होंठों पर जोर जोर से किस करने लगा. थोड़ी देर बाद उन्होंने मुझे खड़ी किया और मेरे सारे कपड़े उतार डाले. अब मैं उन लोगों के सामने बिल्कुल नंगी खड़ी थी.

तभी एक बंदे ने झोपड़ी में जाकर उन दो बंदों को भी बता दिया और वो उनको बुलाकर

बाहर ले आया.

मैं उनके सामने बैठ कर अपनी चुत को सहला रही थी. उन पांचों बंदों ने मुझे देख कर अपनी लुंगी आदि खोल दिए और लंड सहलाते हुए मुठ मारने लगे. उनके खड़े लंड देख कर मेरे मुँह में पानी आने लगा. सब मेरे पास को आ गए और मैं उन सबका एक-एक करके धीरे धीरे लौड़ा चूसने लगी.

उनमें से एक बंदे ने मुझे अपनी गोद में उठाया और झोपड़ी में लेकर गया. उनकी झोपड़ी में एक खाट थी. उस खाट पर उसने मुझे सीधा लिटा दिया. मैंने लेटते ही अपनी टांगें खोल दीं. अब तक झोपड़ी में वे सब आ चुके थे. उनमें से एक बंदा अपना मुँह मेरी चुत में रख कर मेरी चुत को अपनी जीभ से चाटने लगा. सभी बारी-बारी से मेरी चुत को, मम्मों को और गालों को चूमने चाटने लगे.

थोड़ी देर बाद एक बंदे ने अपना लंड मेरी चुत पर रखा और जोर से धक्का दे दिया. मेरे मुँह आआईई 'उम्मह... अहह... हय... याह...' जोर से आवाज निकली. तभी एक बंदे ने अपना लंड मेरे मुँह में दे दिया. मुझे अपनी चुत में बहुत दर्द हो रहा था. करीब 5 मिनट के बाद मुझे मज़ा आने लगा और मेरी आग बढ़ गई. उसने मुझे हचक कर चोदा और बिना झड़े अपने लंड बाहर निकाल लिया. उसके हटते ही दूसरा मेरी चुत में लंड डाल कर मुझे चोदने लगा. इस तरह से सब बारी-बारी से मेरी चुत को चोदने लगे.

एक बंदे ने मुझे उठा लिया और मैं उसके ऊपर आ गई. उसने मेरी चुत में अपना लंड डाल दिया. मैं उसके लंड पर उछलने लगी. तभी एक और बंदा मेरे ऊपर चढ़ गया. उसने मेरी गांड में अपना लंड डाल दिया. मैं उन दोनों बंदों के बीच में सैंडविच बनकर चुद रही थी. मुझे ऐसा आनन्द पहले कभी नहीं आया था. सबने बारी बारी से मेरे मुँह में और मेरी चुत में अपना लंड दिया.

ऐसी मेरी चुदाई 2 घंटे तक चली और मैं भी झड़ गई. मैं थक कर चूर हो गई थी. मैं खाट पर लेटी रही और सब ने मेरे मुँह में अपना लंड देकर अपना रस मुझे पिला दिया. मैंने 5 लोगों के लंड का रस पी लिया. इसी तरह उस रात मुझे तीन बार बारी बारी से सबने चोदा. सुबह हो गई थी.

फिर एक बंदा पड़ोस के शहर में जाकर एक मैकेनिक को बुलाकर लाया. उसने मेरी कार ठीक की और वह चला गया.

मैं जाने को तैयार होने लगी. तो उनमें से एक बंदे ने मुझसे कहा कि मेम साहब आपको कभी भी चुदाई का मन करे तो हमें बुला लेना.. हम सब आपकी चूत की आग को टंडा कर देंगे.

उसने अपना नंबर मुझे दिया और वे सभी लोग अपने ट्रक में बैठकर चले गए.

मैं भी वहां से निकल गई और वापिस अपने गाँव आ गयी. पति के पास जाकर भी मैं क्या करती, मैं तो उनसे चुदाने ही जा रही थी, मेरा काम पहले ही हो गया और ज्यादा मजेदार तरीके से!

दोस्तो, मेरी सामूहिक चुदाई कहानी आपको कैसी लगी, मुझे मेरी ईमेल आईडी पर बताना. अगली बार ऐसे ही कहानी लेकर हाजिर रहूंगी.

[sonvanrane967@gmail.com](mailto:sonvanrane967@gmail.com)

## Other stories you may be interested in

### दोस्त ने अपनी बहन को चुदवाया-2

अब तक इस सेक्स स्टोरी के पहले भाग दोस्त ने अपनी बहन को चुदवाया-1 में आपने जाना था कि मेरे दोस्त रवि ने अपनी बहन को रंडी बनाने की ठान लिया था. वो रंडी बाजार से एक रिक्शे वाले को [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरे बदमाश दोस्त ने मेरी बीवी को लंडखोर बनाया

दोस्तो, मेरा नाम संजय है. मेरी बीवी का नाम अनु है. मैं 26 साल का हूँ और मेरी बीवी 25 साल की है. हमारी शादी को 5 साल हो गए हैं. हमारी एक बेटी है, वो अभी 4 साल की [...]

[Full Story >>>](#)

### क्लासमेट को प्रोपोज करके चोदा

दोस्तो, मेरा नाम आशीष जैन है, मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ. मैं 5 फुट 10 इंच लंबा और थोड़ा पतला हूँ. मेरे लंड का साइज 6 इंच है. यह कहानी मेरी और मेरी गर्लफ्रेंड अर्चना की है. वो हमारी [...]

[Full Story >>>](#)

### साली ने अपनी मौसी की बेटी को चुदवाया-2

मेरी इस सेक्स कहानी के पहले भाग साली ने अपनी मौसी की बेटी को चुदवाया-1 में आपने पढ़ा कि मेरी साली नीरू अपनी मौसी की बेटी सविता की सीलबंद चूत को पहली बार चुदाई के लिए मेरे पास ले आयी [...]

[Full Story >>>](#)

### दोस्त ने अपनी बहन को चुदवाया-1

नमस्ते दोस्तो, मेरा नाम आकाश है. मैं अपने दोस्त रवि के साथ दिल्ली में रहकर पढ़ाई करता हूँ. मेरा दोस्त पढ़ाई के साथ साथ कुछ बिज़नेस भी करता था. कुछ दिनों बाद उसकी बहन भी पढ़ाई के लिए दिल्ली आ [...]

[Full Story >>>](#)



